A-0470

Total No. of Pages: 3 **Roll No. .....**

CPS-14

Bachelor of Education (B. Ed.)

3rd Semester, Examination 2024 [Dec.]

संस्कृत का शिक्षणशास्त्र (भाग-02)

Time : 2 Hours ***[Maximum Marks : 35***

नोट : यह प्रश्नपत्र पैंतीस (35) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े नौ (9½) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(2×9½=19)

1. वाइगोत्स्की के अधिगम सिद्दांत में सामाजिक कारकों को क्यों महत्व दिया गया है स्पष्ट कीजिए।
2. अधिगम योजना को प्रभावित करने वाले घटकों को स्पष्ट करते हुए इसकी विभिन्न विधियों को लिखिए।
3. श्रृव्य-दृष्य सामग्री का महत्व स्पष्ट करते हुए इसके प्रकारों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
4. पाठ्यपुस्तक का अर्थ स्पष्ट करते हुए पाठ्यपुस्तक निर्माण के सिद्दांतो का वर्णन कीजिए।
5. पाणिनी के भाषा सम्बंधित विचारों से आप क्या समझते हैं विस्तार पूर्वक लिखिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए चार (04) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(4×4=16)

1. संस्कृत शिक्षण के अंतर्गत 5-ई माँडल क्या है? इसके महत्व को स्पष्ट कीजिए।
2. संस्कृत भाषा शिक्षण में मुद्रित सामग्री के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
3. संस्कृत भाषा मूल्यांकन की ग्रेडिंग प्रणाली को स्पष्ट कीजिए।
4. मापन एवं मूल्यांकन में अंतर स्पष्ट कीजिए।
5. मौलिक अनुसन्धान क्रियात्मक अनुसन्धान से किस प्रकार भिन्न है?
6. समीपस्थ विकास का क्षेत्र किसे कहते है?
7. मौखिक अभिव्यक्ति के साधनों का उल्लेख कीजिए।
8. चोमस्की के भाषा अर्जन सिद्दांत को संक्षेप में लिखिए।

****